No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-23

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए.हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

एम.एच.डी.-23 : मध्यकालीन कविता-1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक: 50*

नोट: प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 2×10=20

(क) सुनहु चीर कस पहिर कुवाँरी।
फुँदिया राध सेंदुरिया सारी।।
पहिर मधवना औ कसियारा।
चकवा चीर चौकरिया सारा।।
मुँगिया पटल अंग चढ़ाई। मडिला छुदरी भर पहिरायी।।
मानों चाँद कुसँमी राती। एकखँड छाप (सोह) गुजराती।।
दरिया चँदरौटा औ बुखारू। साज पटोरें बहुल सिंगारू।।
चोला चीर पहिर जो चाली, जानों जाइ उड़ाइ।।
देखत रूप बिमोहे देवता, किंतहुत अछर (ी) आइ।।

(ख) दया भाव हिरदै नहीं, भखहिं पराया मांस।
ते नर नरकहिं जाइहिं, सत भाषै रैदास।।

(ग) ऊधो! मन नहिं हाथ हमारे।

रथ चढ़ाय हरि संग गए लै मथुरा जबै सिधारे।।

नातरु कहा जोग हम छाँड़हि अति रूचि कै तुम ल्याए।।

हम तौ झकति स्याम की करनी, मन लै जोग पठाए।।

अजहूँ मन अपने हम पावैं तुमतें होय तो होय।

सूर सपथ हमैं कोटि तिहारी कहौ करैंगी सोय।।

(घ) या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौ।

आठहुँ सिद्धि नवो निधि को सुख नन्द की गाइ चराइ बिसारौं।।

रसखानि कबौं इन आँखिन सों ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।

कोटिक रौ कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।

2. सूफी काव्य परम्परा का परिचय दीजिए। 10

3. निर्गुण काव्य परम्परा में रविदास का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 10

4. सूरदास की कविता की अंतर्वस्तु पर विचार कीजिए।

5. रसखान की प्रेमभावना का विवेचन कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से <u>किन्हीं दो</u> पर टिप्पणियाँ लिखिये: 2×5=10

(क) बीजक

(ख) भ्रमरगीत

(ग) 'मैना' का चरित्र

(घ) भक्तिकाव्य में मध्ययुगीनता।

—x—